वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 140 | रविवार 17 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मेंटल हेल्थ के लिए लोगों ने किया माइंड एक्सरसाइज : डॉक्टर बोलीं...

स्ट्रेस हो जाता है मानसिक परेशानी में तब्दील, लोग इस पर बात करने में हिचकिचाते हैं

जयपुर. कासं

वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे 10 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में शनिवार को सिविल लाइन्स स्थित स्पाइस कोर्ट में मेंटल हेल्थ कार्यक्रम किया गया। इसमें मौजूद लोगों ने विभिन्न मेंटल थेरेपीज के इस्तेमाल को समझा। इस मौके पर काउंसलर चेयर की ओर से मानसिक स्वास्थ में आराम और शांति पहुंचाने वाले प्रोडक्ट्स को भी लॉन्च किया गया। काउंसलर चेयर से मनोचिकित्सक और ऑथर डॉ हर्षिका पारीक ने बताया- मौजूदा समय में मानसिक स्वास्थ के बारे में बहुत सी चचाएं और सेमिनार हो रहे हैं, लेकिन आज भी इस विषय पर लोग ठीक से बात करने में हिचकिचाते हैं। स्टूडेंट्स को पढ़ाई की, या प्रोफेशनल्स को बिजनेस या जॉब की टेंशन और स्ट्रेस बहुत जल्द एक मानसिक परेशानी में तब्दील हो जाता है। ऐसे में ज्यादातर मौकों पर लोग इसके लक्षण और लंबे समय में होने

वाली दिक्कतों से अज्ञात रहते हैं। इसको देखते हुए ही हमने कुछ मेंटल हेल्थ प्रोडक्ट्स को डिजाइन किया है। इनके इस्तेमाल से आप खुद के दिमाग को स्ट्रेस में शांत रख सकते हैं। इसमें स्पेशली मेंटल हेल्थ को ध्यान में रखते हुए पजल्स, बिंगो, आर्ट बुक्स, जर्नल्स, कैंडल्स, एसेंस और एक्सरसाइज को एक साथ लाया गया है। उन्होंने बताया- इंद्रधनुष के सात रंगों से मनुष्य के शरीर में मुख्य सात चक्रों पर पड़ने वाले प्रभाव से मेंटल हेल्थ की स्थिति का पता लगाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान भी हमने इस सभी एक्सरसाइज के माध्यम से लोगों को अपने सात चक्र को सकारात्मक तौर पर सक्रिय करना सिखाया। आर्ट थेरेपी एक्सरसाइज में सभी गेस्ट्स ने अपने मानसिक भाव में आने वाले आकारों को अलग-अलग रंगों के माध्यम से ड्रा किया। इसके बाद एक पर्सनल इंटरेक्शन के दौरान हर गेस्ट के आर्ट वर्क के ऊपर उनके मेंटल लेवल को समझते हुए उनको रेगुलर माइंड एक्सरसाइज के बारे में बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर वरिष्ठ एनएएसी मेंबर जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंस के डीन प्रोफेसर एन.डी माथुर, राजस्थान यूनिवर्सिटी की छात्र सलाहकार ब्यूरो की डायरेक्टर प्रोफेसर सुशीला पारीक और टैगोर पब्लिक स्कूल, शास्त्री नगर की प्रिंसिपल डॉ ममता मिश्रा उपस्थित रहे। इस दौरान सभी उपस्थित लोगों को आर्ट थेरेपी, सॉल्यूशन फोकस्ड थेरेपी, कॉग्निटिव बिहेविरियल थेरेपी और गोटमैन कपल्स थेरेपी के बारे में गहराई से समझाया और लाइव डेमो दिया।

हुनरमंद महिलाएं घर पर नहीं बैठी रहें

इसलिए प्रोजेक्ट टुगेदर के तहत पहले ट्रेनिंग, फिर उनको दे रहे रोजगार

जयपुर. कासं। कोई भी समाज तब तक आगे नहीं बढ़ सकता है तब तक समाज की आधी आबादी यानि महिलाएं शिक्षित व सबल नहीं हो जाती। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए न्यू ह्यूमन वेलफेयर सोसायटी के 'प्रोजेक्ट टुगेदर' अभियान के तहत महिलाओं को रोजगार मुहैया करवाने का काम किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण काम में डॉ. समरा का प्रमुख सहयोग रहा है। ये महिलाओं को रोजगार मुहैया करवाने का काम कर रही है। सोसायटी की ओर से अब तक जयपुर, टोंक, सीकर, बीकानेर, कोटा की करीब 135 महिलाओं और बालिकाओं को रोजगार दिलवाया गया है। डॉ. समरा सुल्ताना ने बताया कि समाजसेवी कार्यों के लिए हाल ही में बॉलीवुड स्टार और सोशल एंटरप्रिन्योर सोनू सूद के हाथों भी मेरे को सम्मान मिल चुका है। सामाजिक कार्य करते समय देखने में आया कि कई हुनरमंद महिलाएं अपने घरों में बैठी है, आर्थिक रूप से कमजोर होने के चलते उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। संस्था की ओर से बेग, होम डेकोर आइटम, स्टॉल्स और ड्रेस बनवाई जाती है। इन्हें बनाने में विशेष तौर पर कॉटन, एक्रेलिक मैक्रामे और शर्ट यान का उपयोग किया जाता है। यह फैब्रिक लंबे समय तक खराब नहीं होते हैं। इन्हें धोकर फिर से इस्तेमाल भी किया जा सकता है। जल्द यह उत्पाद दुबई, सऊदी और अन्य देशों के ग्रॉसरी स्टोर में उपलब्ध करायेंगे।

वैश्य महापंचायत आज, जागरुकता के लिए निकाली वाहन रैली

कार्यकर्ताओं के साथ समाज के जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए, मानसरोवर ग्राउंड में होगा आयोजन

जयपुर. कासं। जयपुर के मानसरोवर स्थित वी टी रोड ग्राउंड में रविवार 17 सितंबर को वैश्य महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन, युवा विंग-राजस्थान की ओर से महापंचायत के समर्थन और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विशाल वाहन रैली निकाली गई। रैली न्यू गेट स्थित रामलीला मैदान से शुरू होकर सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार होती हुई संसार चन्द्र रोड स्थित खंडेलवाल महिला महाविद्यालय पहुंचकर पूरी हुई। रैली में 350 दुपहिया और 150 चार पहिया वाहन के साथ सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष एन के गुप्ता, प्रभारी ध्रुवदास अग्रवाल, महामंत्री गोपाल प्रसाद गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुरेश कालाणी, युवा अध्यक्ष जे डी माहेश्वरी, महामंत्री केदार गुप्ता, महिला अध्यक्ष ज्योति खंडेलवाल, संरक्षक पवन गोयल सहित सैंकड़ों वैश्य समाज प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

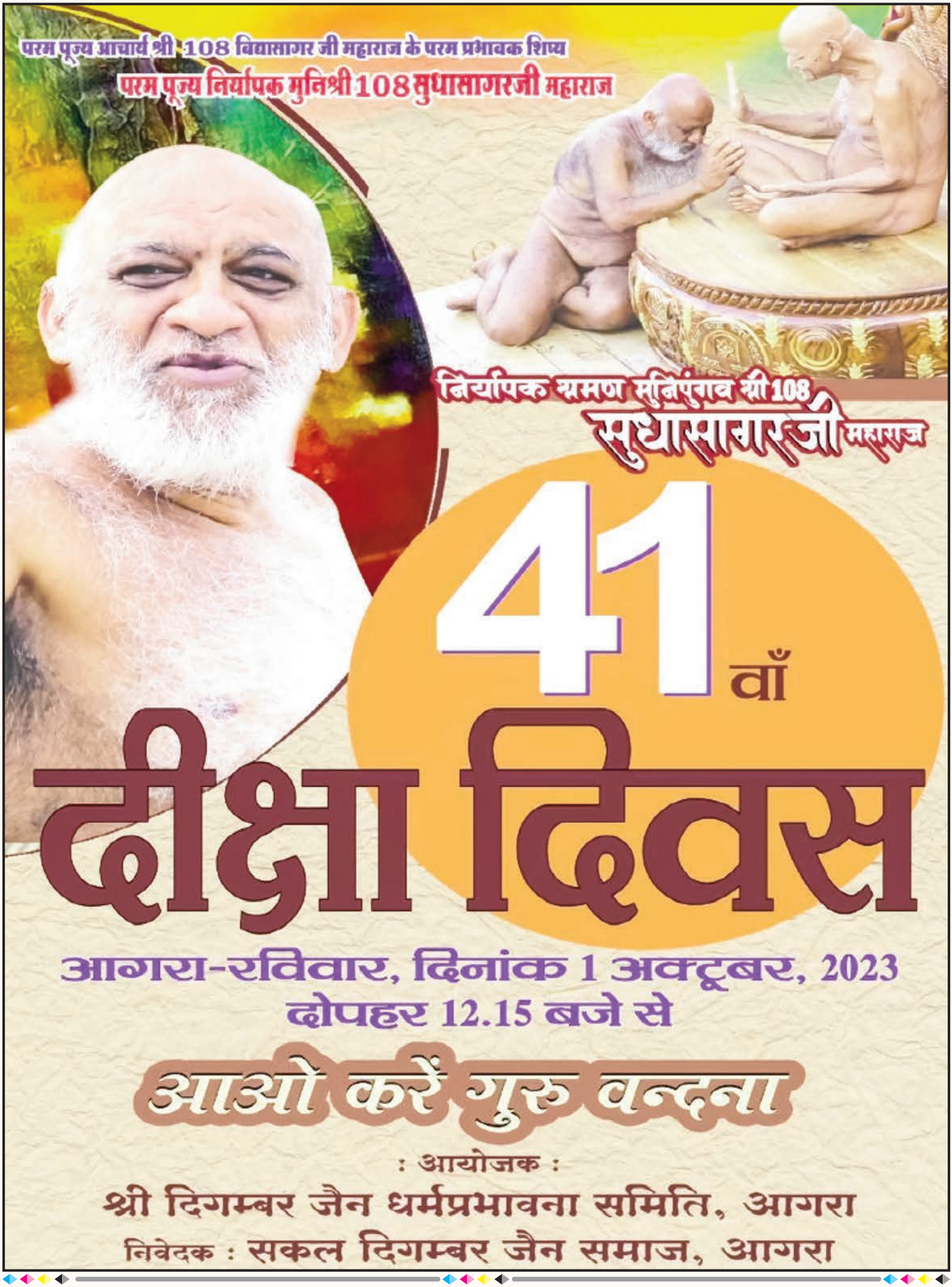
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य
परम पूज्य निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागरजी महाराज
41 वाँ
दीक्षा दिवस
आगरा-रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से
आओ करें गुरु वन्दना
: आयोजक :
श्री दिगम्बर जैन धर्मप्रभावना समिति, आगरा
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

श्रावक संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज
के मंगल सानिध्य में आगरा की पुण्य धरा पर

30 वां श्रावक शिविर संस्कार

आगरा-दिनांक 19 से 29 सितम्बर 2023 तक

- शिविर आयोजक स्थल-
श्री महावीर दिगम्बर जैन इण्टर कॉलेज परिसर, हरीपर्वत, आगरा (उ.प्र.)

शिविर पुण्यार्जक

श्रावक श्रेष्ठी श्री निर्मल-उर्मिला, वीरेंद्र-उषा रेखा
रजत-आयुषी, रौनक-अदिति,
बिभोर विन्नी हर्षिल द्रव्या जियांशी मोठ्या परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री हीरालाल-वीना,
दिवाय-कोमल, उत्कर्ष दिविषा काव्या
अर्हम बैनाडा परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री राजेश-रजनी,
निखिल-पूजा, शोभित-आरती,
कनिष्का हर्नीशा, आध्या सेठी परिवार

श्रावक संस्कार शिविर
निर्देशक
हुकम जैन 'काका'
94141-84618
निर्देशक
दिनेश गंगवाल
93145-07802

सुधा अमृत वर्षायोग-2023, आगरा

जगत पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज का
41वां मुनि दीक्षा दिवस समारोह अश्विन वदी तृतीया
दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को दोपहर 12:15 से मनाया जायेगा।

शिविर आयोजक:- श्री दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति, आगरा (उ.प्र.)

वेद ज्ञान

दांपत्य-प्रज्ञा

दांपत्य-प्रज्ञादांपत्य-प्रज्ञाअपने प्रति सजग और दूसरे के प्रति करुणावान पति-पत्नी का दांपत्य ही सुखद होता है। परिवार ने लोगों को ऐसी हालत में ला दिया है कि परिवार से इतर ध्यान बंटाए बगैर व्यक्ति सहज महसूस ही नहीं करता। कुछ वर्ष पूर्व तक पति-पत्नी के बीच चाहे जितनी कटुता रही हो, लेकिन तलाक का ख्याल अंतिम विकल्प नहीं हुआ करता था, मगर अब विवाद शुरू होते ही पहला ख्याल तलाक का आता है। जो दंपति साथ मिलकर किसी भी चुनौती का सामना कर सकते थे, वे आज एक-दूसरे के लिए ही चुनौती बने हुए हैं। जीवन में प्रेम का अभाव निरंतर गहराता जा रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि व्यक्ति को ज्ञान केवल अपना हो सकता है, दूसरे का तो सिर्फ अनुमान होता है। अपने प्रति सजग और दूसरे के प्रति करुणावान पति-पत्नी का दांपत्य ही सुखद होता है। जो भी प्रेममय नहीं है, वह परमात्मा को नहीं पा सकता। प्रेम प्रारंभ है और परमात्मा उसकी परिणति, लेकिन प्रेम स्वतः नहीं मिलता। इसे अर्जित करना होता है। प्रेम का अर्थ है- दूसरे की मौजूदगी का आनंद लेना। परस्पर सम्मान इसका आधार है। सांसारिक इच्छाओं में सबसे ऊपर है- सम्मान की इच्छा। सम्मान की कमी के कारण ही विवाहेत्तर संबंध बन जाते हैं। दंपति परस्पर समानता का भाव रखें तभी एक-दूसरे का सम्मान कर सकते हैं। पति-पत्नी को मैत्री का दायरा बढ़ाना चाहिए। प्रेम सीमित से ही संभव है जबकि मैत्री असीमित से हो सकती है। जिसकी मित्रमंडली बड़ी होती है, वही परिवार में भी मित्रवत हो पाता है। कोई है जो आपका ख्याल रखता है, जीवन में यह निश्चिंतता बहुत मायने रखती है। इसलिए पति-पत्नी को एक-दूसरे पर ध्यान देना चाहिए। दोनों यदि ध्यानी भी हो सकें तो परस्पर प्रेम देने का भाव गहराता जाता है। यदि प्रज्ञा असाधारण हो तो एकदम विपरीत प्रकृति के जीवनसाथी के साथ भी निर्वाह हो सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि तब आपकी दृष्टि कौन ठीक है के बजाय, क्या ठीक है पर होती है। जीवनसाथी का साथ निभाने में ही आपकी कला और चेतना का विकास है। भावनाओं का शुद्धीकरण और चैतन्य का विकास ही अध्यात्म की मंजिल है। इसलिए प्राचीन काल में ऋषि-मुनि धर्मकार्य में पत्नी का भी सहयोग लेते थे। अगर आपका संबंध प्रेमपूर्ण है तो अंतिम क्षणों में जीवनसाथी की मौजूदगी से आपकी आत्मा अधिक तृप्त अवस्था में विदा होगी।

संपादकीय

वित्तीय संस्थाओं को उचित व्यवहार का पालन करना ही होगा

अब लोगों को अपने मकान-दुकान या कार-कारोबार के लिए लिया गया कर्ज चुकाने के बाद उसके मूल दस्तावेज वापस पाने के लिए वित्तीय संस्थानों के ज्यादा चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने इसकी समय-सीमा तय करते हुए कहा है कि कर्ज की पूरी राशि जमा करने वालों को बंधक रखे गए मकान या अन्य चल-अचल संपत्ति के मूल दस्तावेज तीस दिन के भीतर लौटाने होंगे। आरबीआई ने यह भी कहा है कि वित्तीय संस्थान कोई शुल्क नहीं वसूल सकेंगे। उसके आदेश का अनुपालन न करने की स्थिति में संबंधित वित्तीय संस्थान पर प्रति दिन पांच हजार रुपए का हजार्ना लगेगा। हां, किन्हीं तकनीकी कारणों से देरी होती है, तो संबंधित वित्तीय संस्थान को कुछ छूट दी जाएगी, लेकिन इस बारे में उसे अपने ग्राहक को बाकायदा इसकी सूचना देनी होगी। दरअसल, केंद्रीय बैंक को यह सख्त कदम इसलिए उठाना पड़ा, क्योंकि सरकारी और निजी वाणिज्यिक बैंक हों

या गैर-बैंकिंग कंपनियां, सहकारी और ग्रामीण बैंक या हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां, सभी कर्ज चुकता हो जाने के बाद भी अपने ग्राहक के दस्तावेज समय पर लौटाने में आनाकानी करती हैं। इस देरी के चलते जहां ग्राहक को मानसिक पीड़ा होती है, वहीं कभी-कभी विवाद अदालत तक पहुंच कर मुकदमेबाजी में फंस जाता है। आरबीआई भी इस बात से भलीभांति वाकिफ है कि वित्तीय संस्थान दस्तावेजों को जारी करने में अलग-अलग रुख अख्तियार करते हैं। इससे अनावश्यक रूप से कानूनी विवाद बढ़ते हैं। आरबीआई का साफ कहना है कि उचित व्यवहार संहिता का पालन सभी वित्तीय संस्थानों को करना होगा। इसमें ग्राहक और बैंक दोनों को शिष्टाचार युक्त व्यवहार पाने का अधिकार है, लेकिन हकीकत में ऐसा होता नहीं दिखता। अधिकांश मामलों में कर्जदार बैंकों या वित्तीय संस्थानों के चक्कर काटते रहते हैं, लेकिन उनके मूल दस्तावेज नहीं लौटाए जाते। एक अनुमान के मुताबिक वर्ष 2021-2022 में ही दिल्ली, मुंबई, कानपुर, चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों में कर्ज चुकाने के बाद मूल दस्तावेज नहीं लौटाने या इस प्रक्रिया में देरी से संबंधित करीब डेढ़ लाख शिकायतें आरबीआई तक पहुंचीं। दिल्ली और मुंबई में ऐसी शिकायतों की संख्या सबसे अधिक है। पूरी जमा पूंजी लगाकर घर को अपना कहने का सपना तब तक अधूरा ही रहता है, जब तक उससे संबंधित मूल दस्तावेज मालिक के कब्जे में न आ जाएं। पहले कर्ज चुकाने की सिरदर्दी और फिर कागजात वापस पाने के लिए जद्दोजहद, यह किसी के लिए भी बहुत मुश्किल भरा होता है। इसी बात को समझते हुए आरबीआई ने सभी बैंकों और अपने दायरे में आने वाले वित्तीय संस्थानों के लिए जारी अधिसूचना में कहा है कि कर्जदारों को उनकी प्राथमिकता के अनुसार मूल चल-अचल संपत्ति दस्तावेजों को या तो उस बैंक शाखा से एकत्र करने का विकल्प दिया जाएगा, जहां ऋण खाता संचालित किया गया था या संबंधित इकाई के किसी अन्य कार्यालय से, जहां दस्तावेज उपलब्ध हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

दहशतगर्दी!

घाटी में दहशतगर्दी को नेस्तनाबूद करने के इरादे से पिछले करीब नौ वर्षों से सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, उसमें आतंकवादियों और उन्हें संरक्षण-प्रश्रय देने वालों के ठिकानों की पहचान की जाती रही है। दहशतगर्दी को वित्तपोषण करने वालों पर नकेल कसने के दावे किए जाते रहे हैं। सीमापार से घुसपैठ रोकने की हर कोशिश की जाती है। जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद लंबे समय तक वहां संचार माध्यम ठप रहे, लोग घरों में बंद रहे, भारी संख्या में सेना तैनात की गई थी। इस तरह कहा जा रहा था कि वहां आतंकवाद की कमर टूट गई है। मगर कर्फ्यू हटते ही जिस तरह फिर से आतंकवादी सक्रिय हो गए और उन्होंने अपनी रणनीति बदल-बदल कर सेना और पुलिस पर हमले करने शुरू किए, उससे यही साबित हुआ कि घाटी में आतंक का सिलसिला रोकना सुरक्षाबलों के लिए बड़ी चुनौती है। सबसे चिंताजनक बात यह कि अब फिर से आतंकी संगठन घाटी के युवाओं को हथियार उठाने को तैयार करने में कामयाब हो रहे हैं। वित्तपोषण और हथियारों की आपूर्ति पर रोक लगाने के सारे उपाय कमजोर नजर आने लगे हैं। अब हमलों में वहां जिस तरह के हथियार और गोला-बारूद इस्तेमाल हो रहे हैं, उससे साफ है कि दहशतगर्द सुरक्षाबलों की तमाम नाकेबंदियों को धता बताने में कामयाब हैं। जिस तरह थोड़े-थोड़े दिनों पर इस तरह के आतंकी हमले होने लगे हैं और उसमें सुरक्षाबलों के लोग मारे जा रहे हैं, उसमें यह सवाल गाढ़ा होता गया है कि आखिर यह सिलसिला कब रुकेगा। छिपी बात नहीं है कि घाटी में आतंक की जड़ें पाकिस्तान से सींची जा रही हैं। मगर इस वक्त सबसे चिंता की बात स्थानीय लोगों की भूमिका को लेकर है। घाटी में दहशतगर्दी खत्म करने का तरीका यही माना गया था कि स्थानीय लोगों को आतंकियों के खिलाफ खड़ा करना होगा। जब दहशतगर्दों को स्थानीय संरक्षण मिलना बंद हो जाएगा, तो उनकी जड़ें अपने आप सूख जाएंगी। मगर इस रणनीति पर काम आगे नहीं बढ़ पाया। व्यवस्था पर स्थानीय लोगों केभरोसे को और मजबूत करने की जरूरत महसूस की जा रही है।

1 से 15 सितंबर, हिन्दी पखवाड़ा उत्सव आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर पब्लिक स्कूल में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत ''हिंदी दिवस समारोह'' मनाया गया, जिसमें हिंदी भाषा और उसके महत्व की सराहना करते हुए एकता की भावना को बढ़ावा दिया गया। हिंदी भाषा को बढ़ावा देना भारत सरकार का निरंतर उद्देश्य बनी हुई है और स्कूल एक ऐसा मंच है जहां बच्चे असंख्य तरीकों से अपनी हिंदी को गौरवान्वित कर सकते हैं। छात्रों ने शिल्प कौशल के माध्यम से सॉफ्ट बोर्डों को सजाया, कविताएं और भाषण प्रस्तुत किए, नारे लगाए, पोस्टर सजाए और अपनी सांस्कृतिक विरासत और विविधता के बारे समझ पैदा करके गर्व महसूस किया। इस दिन के महत्व को उजागर करने और चिह्नित करने के लिए एक विशेष सभा भी आयोजित की गई।

''विश्व ओजोन दिवस'' पर विशेष सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। 16 सितंबर, 2023 को, महावीर पब्लिक स्कूल ने ''विश्व ओजोन दिवस'' पर एक विशेष सभा का आयोजन किया। इस मौके पर छात्रों को ओजोन परत के महत्व को समझाने और इसकी सुरक्षा में उनकी भूमिका के बारे में जागरूक करने का प्रयास किया। विशेष सभा में प्रतिज्ञाएं, मार्मिक कविताएं, प्रेरणादायक भाषण, और जानकारीपूर्ण प्रदर्शन शामिल थे, जो इस महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दे को सामाजिक चर्चा के रूप में प्रस्तुत करने के लिए समर्पित थे।

नौ फुटवियर कंपनियों के उत्पादों का प्रदर्शन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रसिद्ध फुटवियर होलसेलर कृष्णा सेल्स एजेंसी ने हरियाणा दिल्ली गुजरात व उत्तर प्रदेश के 9 फुटवियर ब्रांड के नए उत्पाद प्रदर्शन और बुकिंग के लिए जयपुर में उत्सव का आयोजन किया। इस मौके पर स्टॉलों पर प्रदर्शित सभी के बीच आकर्षण का केन्द्र रहे। आयोजक राजेश माहेश्वरी ने बताया कि उत्सव में राजस्थान के अलग-अलग स्थानों से आए 506 दुकानदारों ने भाग लिया और ड्रॉ में आकर्षक बाइक, 2 फ्रीज, 3 वॉशिग मशीन,5 जंबो कूलर,5 गीजर सहित आकर्षक पुरस्कार जीते। राजस्थान में अब तक के सबसे भव्य पार्दर्शी इस आयोजन को लोग देखते रह गये। कंपनी के रोहित माहेश्वारी व आशु माहेश्वारी ने बताया कि 6 माह के टारगेट स्कीम के तहत स्कीम के व विजेताओं को कंपनी वैष्णो देवी,गोवा व थाइलेंड की ट्रिप करवाएंगा। इस उत्सव की सबसे बड़ी विषेषता यह रही कि व्यापारियों को जिस कंपनी का जितना आर्डर दिया,उस कंपनी काउंटर से उसी अनुसार तय गिफ्ट दी।

अच्छा दिखना आसान, अच्छा बनना कठिन, आध्यात्म ही मानसिक सुख का आधार: दर्शनप्रभाजी म.सा.

आधुनिक बनने की होड़ में आध्यात्मिक दृष्टि से पिछड़ते जा रहे-समीक्षाप्रभाजी म.सा.

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

सूर्योदय के बजाय सूर्यास्त को महत्वपूर्ण मानने वाली पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव में होने से हम आध्यात्मिकता को भूल आधुनिक बनने की होड़ में उलझे हुए है। हमारी जैन संस्कृति में तो सूर्यास्त से लेकर सूर्योदय तक पानी भी नहीं पीया जाता है। सूर्योदय को हमारे यहां शुभ माना जाता है ओर हर शुभ कार्य सूर्य के साक्षी में करने का प्रयास रहता है। हम आध्यात्मिक बनना है ओर आधुनिकता के नाम पर अंधानुकरण नहीं करना है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शनिवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने पर्वाधिराज पर्युषण के पांचवें दिन ह्यह्यआधुनिक नहीं आध्यात्मिक बनेह्लह्ल विषय पर प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। प्रवचन के शुरू में अंतगड़ सूत्र का वांचन आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने एवं दोपहर में कल्पसूत्र का वांचन आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. किया। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि अच्छा दिखना आसान है लेकिन अच्छा बनना कठिन है। जो अच्छा दिखना चाहता है वह आधुनिक ओर जो अच्छा बनना चाहता है वह आध्यात्मिक होता है। बाहर देखने वाला आधुनिक ओर भीतर देखने वाला आध्यात्मिक होता है। आधुनिक जीवन जीने वाला तनाव व अशांति से घिरा रहता है जबकि आध्यात्मिक जीवन जीने वाला तनावरहित सुखी जीवन जीता है। उन्होंने बिना सोचे-समझे नहीं बोलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि बिना जाने बोलने से झगड़े होते है ओर परिवार टूटते है। साधु-साध्वी आपको आध्यात्मिक जीवन की राह दिखा सकते है लेकिन चलना तो आपको पड़ेगा। हम अच्छा दिखने की नहीं अच्छा बनने की जरूरत है। अपनी प्रतिज्ञा ओर दिया हुआ वचन कभी नहीं भूलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि साधर्मी की सेवा अति महत्वपूर्ण एवं अति उत्तम है। प्रवचन में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि नींद से शरीर को ओर ध्यान से आत्मा को आराम मिलता है। हम आधुनिक बनने की होड़ में तो बहुत आगे निकल गए लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से पिछड़ते जा रहे है। आध्यात्मिक दृष्टि से जो धनवान बन जाएगा वह किसी भी जन्म में दुःख नहीं पाएगा। तृप्ति व संतोष आधुनिकता में नहीं आध्यात्मिकता में ही मिलेगा। बिना संतोष पाए व्यक्ति सुखी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि धर्मपत्नी वहीं होती है जो पति को धर्म व अध्यात्म के पथ से जोड़ दे। अध्यात्म से जुड़ने वाले का मनोबल मजबूत होता है ओर वह मानसिक तनाव से दूर होता है। साध्वीश्री ने कहा कि आधुनिकता के नाम पर फैशन में इतना भी नहीं डूबे कि अपना धर्म व संस्कृति ही भूल जाए।

जप तप के साथ चल रही पर्युषण पर्व आराधना

अगर जीव अपने ऊपर आने वाले कष्टों को समभाव से भोगता है तो कर्मों को खपा लेता है: साध्वी धैर्यप्रभा

तप त्याग के साथ आचार्य शुभचन्द जी म.सा. का पांचवां पुण्य स्मरण दिवस मनाया

ब्यावर. शाबाश इंडिया

बिरद भवन में चल रहे पर्युषण पर्व आराधना प्रवचन के तहत साध्वी धैर्यप्रभा ने उपस्थित धर्मसभा को प्रवचन में फरमाया की धार्मिक प्रभा जी के मुखारविंद से चल रही अंतगढ़ सूत्र वाचना में भव्य आत्माओं के धर्म आराधना से अपने जीवन को उज्ज्वल बना कर मोक्ष पाने का वृतांत चल रहे है। अर्जुनमाली के जीवन हमें बताता है कि जीवन में जब हम हमारे बांधे हुए कर्मों को समभाव के साथ भोगते है तो जीव मोक्ष को प्राप्त करता हैं। महासती धृतिप्रभा एवं धीरप्रभा ने अपनी सुमधुर वाणी से ''बुरा समय क्या क्या दिखाता है, जीवन कहा कहा ले जाता है'' गाकर पूरी धर्मसभा को मंत्रमुग्ध कर दिया। दोपहर में गांधी आराधना भवन में चल रहे कल्प सूत्र वाचन में भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक मनाया गया। जिसमें महिला मंडल एवं बहु मण्डल की सदस्याओं द्वारा गीतिका के साथ 14 महास्वप्न का चित्रण किया गया। जन्मकल्याणक का व्रतांत सुनकर उपस्थित सभी श्रावक श्राविकाओं ने अपने आप को धन्य माना। रूपेश कोठारी - मीडिया प्रभारी ने बताया कि जयगच्छीय आचार्य गुरुदेव शुभचन्द जी म. सा. के पांचवें पुण्य स्मरण दिवस के उपलक्ष्य में महासती धैर्यप्रभा जी उनके जीवन से प्रेरणा लेकर धमार्राधना करने एवं जयमल जैन श्रावकसंघ मंत्री दुलीचन्द मकाना ने गीत के साथ गुरुदेव की जीवनी बताई। महासती धैर्यप्रभा आदि ठाणा की प्रेरणा से पांच सामयिक एवं श्रुताचार्य चौथ स्मृति भवन में दोपहर में नवकार मन्त्र का जाप हुआ। रविवार को मसूदा रोड़ स्थित गौशाला में गायों को चारा एवं गुड़ खिलाया जाएगा। देवराज लोढ़ा, अध्यक्ष व हेमंत बाबेल ,मंत्री ने बताया कि महासती के चातुर्मास में अनेकों छोटी बड़ी तपस्याएं गतिमान हैं। अशोक रेदासनी के 35 उपवास, पूर्णिमा लोढ़ा के 29 उपवास की तपस्या गतिमान हैं। गौतम श्रीश्रीमाल, खुशी छल्लानी, प्रीती ओस्तवाल, जुली नाहटा के भी 30 उपवास (मासखमन) की तपस्याएं हो चुकी हैं। गाँधी आराधना भवन में 24 घण्टे का नवकार मन्त्र का जाप गतिमान हैं।

महासती धृतिप्रभा एवं धीरप्रभा ने अपनी सुमधुर वाणी से ''बुरा समय क्या क्या दिखाता है, जीवन कहा कहा ले जाता है'' गाकर पूरी धर्मसभा को मंत्रमुग्ध कर दिया। दोपहर में गांधी आराधना भवन में चल रहे कल्प सूत्र वाचन में भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक मनाया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 73 वे जन्मदिन पर सुन्दर काण्ड के पाठ का आयोजन

मोहन सिहल. शाबाश इंडिया

टोंक। मोहन सिहल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 73 वे जन्मदिन का कार्यक्रम नेहरू पार्क टोंक में टोंक - सवाईमाधोपुर क्षेत्र के सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया एवं पूर्व नगरपरिषद चैयरमेन लक्ष्मी जैन, पूर्व बीजेपी मिडिया प्रवक्ता ओमप्रकाश गुप्ता सहित अनेक युवा एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओ ने 73वे जन्मदिन को केक काटकर नेहरू पार्क टोंक में मनाया। प्रधानमंत्री को जन्मदिन के उपलक्ष्य में उपस्थित जनसमुदाय में पुरुष एवं महिलाओं ने शुभकामनाएं दी एवं अपने अपने विचार प्रगट किए। शाम 6 बजे माननीय प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य में ही टोंक घंटाघर स्थित सीताराम जी के मन्दिर में सुन्दर काण्ड के पाठ का आयोजन रखा गया है।

पर्व : व्यक्ति और समाज को एक सूत्र में पिरोने का भागीरथ प्रयत्न करते हैं : गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी के तत्वावधान में श्री 1008 शांतिनाथ विधान करने का सौभाग्य अमरचंद प्रमोद जैन जबलपुर वालों को प्राप्त हुआ। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में सोलहकारण व्रत पूजन बड़े ही भक्ति भावों के साथ गुरु भक्तों द्वारा सम्पन्न कराया गया। आज की शान्तिधारा करने का सौभाग्य मनोज बज कोटा , भागचंद चांदसेन वाले मालपुरा , महावीर प्रसाद पहाड़ी वालों को प्राप्त हुआ। आगामी 18 सितम्बर को त्रिलोक तीज व्रत के शुभ अवसर पर गुरु माँ के मुखारविंद से कथा श्रवण का आयोजन होगा। माताजी ने प्रवचन देते हुए कहा कि - पर्व जीवन को नई दिशा देते है। आमतौर पर नये कपड़े, सजावट , मिठाइयां , बधाईयां देने के साथ-साथ जीवन में नया परिवर्तन लाना भी इन पर्वों का उद्देश्य होता है। पर्वों का सामाजिक व धार्मिक महत्व तो है ही व्यक्ति और समाज को एक सूत्र में पिरोने का भागीरथ प्रयत्न भी है। यही पर्व हमें एकता, नैतिकता, सामाजिकता, व्यवहारिकता, सामंजस्यता का पाठ पढ़ाते हैं। 19 सितम्बर से पर्वराज दश लक्षण महापर्व के शुभ अवसर पर श्री दशलक्षण महामण्डल विधान का आयोजन किया जायेगा।

॥ श्री पार्श्वनाथाय नमः ॥

श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर

जय नगर, केसर चौराहा, मुहाना मण्डी रोड, मानसरोवर, जयपुर

परमपूज्य गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज

दशलक्षण पर्व

19.09.2023 से 30.09.2023 तक

कार्यक्रम संबंधित सम्पूर्ण सूचना

परमपूज्य गणनी श्रमणी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी

जय जिनेन्द्र ! सभी साधर्मी बंधुओं को बताते हुए हर्ष हो रहा है कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कार्यकारिणी ने दशलक्षण पर्व को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया है। इस पर्व पर मंदिर जी समिति द्वारा निम्न कार्यक्रम किये जाऐंगे।

मंगलवार दिनांक 19.09.2023
भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी
उत्तम क्षमा धर्म
धार्मिक तम्बोला
मुख्य अतिथि : श्रीमती मनभर देवी जी, भागचन्द जी-राजकुमारी जी, सौरभ जी खटाई वाले

बुधवार दिनांक 20.09.2023
भाद्रपद शुक्ल पंचमी
उत्तम मार्दव धर्म
धार्मिक अन्ताक्षरी
मुख्य अतिथि : श्रीमान कैलाश जी, मनोज जी, मनीष जी गोधा कोहिनूर रेजिडेन्सी

गुरूवार दिनांक 21.09.2023
भाद्रपद शुक्ल छठ
उत्तम आर्जव धर्म
नृत्य प्रतियोगिता-आजा नच ले
मुख्य अतिथि : श्रीमान संजय जी-निधि जी, युग जी, अविका जी पांड्या केकड़ी वाले

शुक्रवार दिनांक 22.09.2023
भाद्रपद शुक्ल सप्तमी
उत्तम सत्य धर्म
संगीतमय भक्तामर पाठ
मुख्य अतिथि : श्रीमती माया देवी जी, तरूण जी-रूबी जी, अंशिका सार्थक जैन अनुकम्पा प्लेटिना

शनिवार दिनांक 23.09.2023
भाद्रपद शुक्ल अष्टमी
उत्तम शोच धर्म
फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता
मुख्य अतिथि : श्रीमती मंजू जी गोयल, शुभम गोयल अशोक जी-रेवती जी छाबड़ा (बापूदयाल नगर)

रविवार दिनांक 24.09.2023
भाद्रपद शुक्ल सुगन्ध दशमी
उत्तम संयम धर्म
भव्य सजीव झांकी
देख तमाशा लकड़ी का
मुख्य अतिथि : शैलेन्द्र जी-मनीषा जी जैन, नरेन्द्र जी-मीना जी जैन

सोमवार दिनांक 25.09.2023
भाद्रपद शुक्ल ग्यारस
उत्तम तप धर्म
हास्य एवं धार्मिक नाटक
मुख्य अतिथि : आलोक जी-महक जी सोनी, आर्जव, वामिका सोनी पत्रकार कॉलोनी, बांदीकुई वाले

मंगलवार दिनांक 26.09.2023
भाद्रपद शुक्ल बारस
उत्तम त्याग धर्म
धार्मिक सांस्कृतिक संध्या
मुख्य अतिथि : मनोज जी-सीमा जी सोगानी दुर्गापुरा

बुधवार दिनांक 27.09.2023
भाद्रपद शुक्ल तेरस
उत्तम आकिंचन्य धर्म
केशरिया पार्श्वनाथ लीग (KPL)
मुख्य अतिथि : अरविन्द जी-सरिता जी टोंग्या अरबाना ज्वैल्स

गुरूवार दिनांक 28.09.2023
भाद्रपद शुक्ल अनंत चर्तुदशी
उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म
अनंत चर्तुदशी श्रीजी अभिषेक
समय : सांय 5.30 बजे

शुक्रवार दिनांक 29.09.2023
भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा
कौन बनेगा धर्मानुरागी सीजन-2
(कौन बनेगा करोड़पति की तर्ज पर)
मुख्य अतिथि : श्रीमान चन्द्रप्रकाश जी, नरेश जी-सोनिया जी, आह्निक जैन, अनुकम्पा प्लेटिना

शनिवार दिनांक 30.09.2023
अश्विनी कृष्ण पड़वा
क्षमावणी पर्व
कलशाभिषेक : सांय 6.00 बजे

रविवार दिनांक 1.10.2023 कार्यक्रम समापन समारोह, सामूहिक क्षमावाणी एवं गोठ समय : दोपहर 1 बजे से

मुख्य अतिथि : महावीर जी-मोना जी, मोनू जी-पूजा जी, गौरव जी-साक्षी जी, मयूर जी-सोनल जी, भरत, तिलक कासलीवाल

सभी साधर्मी बन्धुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्मलाभ अर्जित करें।

निवेदक : श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति, केसर चौराहा, जयपुर
एवम् सकल दिगम्बर जैन समाज, केसर चौराहा, जयपुर

अध्यक्ष : महावीर कासलीवाल मो. 9828011027
उपाध्यक्ष : सुशील बाकलीवाल मो. 9414011381
दशलक्षण पर्व कार्यक्रम मुख्य संयोजक :- जितेन्द्र जैन मो. 9314140016 विनीत छाबड़ा मो. 7878659947
मंत्री : नरेश जैन मो. 9414056487
कोषाध्यक्ष : भूपेन्द्र जैन मो. 9887815541

सह संयोजक : मोहित जैन मो. 8209510329 हेमन्त जैन मो. 9928861396 कमलेश जैन मो. 8875522181 शालू बाकलीवाल मो. 9982843357 प्रद्युम्न जैन मो. 9983504710

आत्मकल्याण का स्वर्णिम अवसर है दसलक्षण महापर्वः आचार्य अतिवीर मुनिराज

समीर जैन. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। दसलक्षण (पर्युषण) पर्व साल में तीन बार आते हैं जो माघ, चैत्र, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी से प्रारम्भ होकर चतुर्दशी तक चलते है। दसलक्षण पर्व एक ऐसा पर्व है, जो आदमी के जीवन की सारी गंदगी को अपनी दस-धर्म रूपी तरंगों के द्वारा बाहर करता है और जीवन को शीतल एवं साफ-सुथरा बनाता है। दसलक्षण पर्व में धर्म के दस लक्षणों को जीवन में अंगीकार कर आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होतो धर्म के दस लक्षण निम्न प्रकार हैं...

1. उत्तम क्षमा- क्षमा आत्मा का स्वभाव है इसके विभाव रूप परिणमन से ही जीव क्रोधी हो जाता है और विनाश की ओर चला जाता है. हमें उत्तम क्षमा को अपनाकर क्रोध ना करने का संकल्प लेना चाहिए और प्रेम से जीवन व्यतीत करना चाहिए.

2. उत्तम मार्दव- मृदुता अर्थात कोमलता का नाम मार्दव है और मान (अहंकार) के अभाव में ही मार्दव धर्म प्रकट होता है. आचार्यों ने मान को महाविष के समान कहा है, जिसके कारण संसार में हमें नीच गति प्राप्त होती है. यदि हमें अपना मनुष्य भव सार्थक करना है तो हमें अहंकार छोड़कर मार्दव धर्म को अपनाना होगा.

3. उत्तम आर्जव- ऋजुता अर्थात सरलता का नाम आर्जव है. मायाचारी कभी सफलता नहीं पा सकता, आत्म-कल्याण के लिए सरल होना आवश्यक है. छल, कपट और मायाचारी के अभाव में ही आर्जव धर्म प्रकट होता है. यदि हमें अपना मनुष्य भव सार्थक करना है तो हमें मायाचारी छोड़कर सरलता अपनानी होगी.

4. उत्तम शौच- शुचिता अर्थात पवित्रता का नाम शौच है, जो कि लोभ कषाय के अभाव में प्रकट होता है. लोभी लोभ के कारण पाप कर बैठता है और अपना जीवन नष्ट कर लेता है. हमारे आत्मिक विकास में लोभ कषाय एक विशाल पर्वत के समान बाधक है. इसलिए हमें उत्तम शौच धर्म को अपनाकर अपने जीवन में शुचिता लानी चाहिए.

5. उत्तम सत्य- झूठे वचनों का त्याग करना और आत्मा में सत्याचरण लाना सत्य धर्म है. जो वस्तु जैसी है, उसे वैसा ही मानना सत्य है. सत्य के विपरीत मिथ्यात्व ही समस्त संसार में भ्रमण का कारण है. इसलिए हमें सत्य धर्म को अंगीकार करना चाहिए, यही लक्षण हमें मोक्ष की ओर ले जाता है.

6. उत्तम संयम- संयम धारण किये बिना मोक्ष संभव नहीं है. पाँच इन्द्रियों और मन को नियंत्रित रखना इन्द्रिय संयम तथा षट्कायिक जीवों की रक्षा करना प्राणी संयम है. ये दो पटरी अगर बन गयी तो जीवन की गाड़ी मोक्ष तक जा सकती है. हमें हिंसा आदि दोष से बचने के लिए संयमपूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहिए।

7. उत्तम तप- ''इच्छा निरोधः तपः'' अर्थात इच्छाओं का निरोध करना तप है. पवित्र विचारों के साथ शक्ति अनुसार की गयी तपस्या से कर्मों की निर्जरा होती है और कर्मों की निर्जरा करके ही है मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं, इसलिए हमें तप करना चाहिए।

8. उत्तम त्याग- त्याग के बिना मनुष्य महान नहीं बनता और जब तक समस्त अंतरंग व बहिरंग परिग्रह का त्याग ना हो तब तक मोक्ष की प्राप्ति भी संभव नहीं. हमें अपने जीवन में चारों प्रकार का दान करना चाहिए और विषय-कषायों का त्याग करना चाहिऐ तभी हमारा मनुष्य भव सार्थक होगा।

9. उत्तम आकिंचन्य- त्याग करना के पश्चात त्याग के अहम्-का भी त्याग करना आकिंचन्य धर्म है. ''मैं'' और 'मेरा' ये भी एक परिग्रह है. मोक्ष महल तक पहुँचने के लिए इसका त्याग आवश्यक है. इस संसार में हमारा कुछ भी नहीं है, यहाँ तक कि यह शरीर भी हमारा नहीं है. ऐसा विचार करते हुए हमें आकिंचन्य धर्म अंगीकार करना चाहिए।

10. उत्तम ब्रह्मचर्य- परद्रव्यों से रहित शुद्ध-बुद्ध अपनी आत्मा में जो चर्या अर्थात लीनता होती है, उसे ब्रह्मचर्य कहते हैं साधु-संतों के लिए सर्वथा स्त्री संसर्ग का त्याग तथा गृहस्थों के लिए स्वपत्नी संतोष व्रत ही व्यवहार से ब्रह्मचर्य धर्म है. ब्रह्मचर्य धर्म अंगीकार किये बिना परमात्म पद की प्राप्ति संभव नहीं है।

क्षमावाणी पर्व

क्षमा मांगने की वस्तु नहीं बल्कि धारण करने की वस्तु है क्षमा आत्मा का स्वभाव है. यह क्षमा आत्मबल को पुष्ट करती है, जीवन की महानता की परिचायक है, परम सुख सरिता है, आत्मदर्शन का दिव्या दर्पण है, महापुरुषों की जीवन संगिनी है. अतः मन की मलिनता, वाणी की वक्रता और काया की कुटिलता त्याग कर सभी आत्माओं के साथ शुद्ध अंतःकरण पूर्वक क्षमायाचना करें।

नवग्रह जिनदेव विधान अर्चना के पोस्टर का हुआ विमोचन

शाबाश इंडिया. अमन जैन कोटखावदा

जयपुर। श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रतापनगर में चातुर्मास कर रहे परम पूज्य आचार्य सौरभ सागर जी महाराज के सानिध्य में रविवार 17 सितम्बर को होने वाले एक दिवसीय नवग्रह जिनदेव विधान अर्चना के पोस्टर का शुक्रवार को विमोचन हुआ। समाजसेवी पारस जैन ने बताया कि शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रतापनगर में चातुर्मास कर रहे आचार्य सौरभ सागर जी महाराज के सानिध्य में रविवार को होने वाले एक दिवसीय नवग्रह जिनदेव विधान अर्चना कार्यक्रम का शुक्रवार को पोस्टर का विमोचन किया गया विधान विधानाचार्य पं. रमेश गंगवाल द्वारा करवाया जाएगा। कार्यक्रम में सौधर्म इंद्र धर्मचंद संजय सरिता जैन परिवार तिजारा वाले,कुबेर इंद्र अभिषेक जैन, यज्ञनायक सुरजमल, महेंद्र जैन, अमित जैन, इतू जैन निमोडिया आदि को सौभाग्य प्राप्त हुआ पोस्टर विमोचन के अवसर पर मंदिर कमेटी अध्यक्ष कमलेश जैन, मंत्री महेन्द्र जैन , संयुक्त मंत्री पारस जैन बिची वाले, युवा मंडल अध्यक्ष त्रिलोक जैन, मंत्री शुभम जैन चतुर्मास प्रचार प्रसार मंत्री सुनील जैन आदि उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री महावीर कॉलेज में फ्रेशर्स पार्टी "उड़ान-2023" का आयोजन

जयपुर

श्री महावीर कॉलेज में शनिवार दिनांक 16 सितंबर 2023 को महावीर सभागार में फ्रेशर्स पार्टी उड़ान -2023 में उमंग और जोश के साथ न्यूकमर्स स्टूडेंट्स का स्वागत किया गया।फ्रेशर्स पार्टी मे नव-आगन्तुक विद्यार्थियों का परम्परागत तरीके से तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथी महेंद्र पारख (आई ए एस), महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, कोषाध्यक्ष महेश काला ,कॉलेज कन्वीनर सी ए प्रमोद पाटनी, मनीष बेद, राजेन्द्र बिलाला एवं शिक्षा परिषद के अन्य गणमान्य सदस्यों ने दीप प्रज्वलन द्वारा किया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना के साथ हुई कार्यक्रम के मुख्य अतिथी महेंद्र पारख (आई ए एस) का स्वागत तिलक लगाकर, माला एवं शॉल पहनाकर कर किया गया। संस्था के अध्यक्ष उमरावमल संघी ने स्टूडेन्टस को सम्बोधित कर भविष्य मे आगे बढने का आर्शीवांद दिया । मुख्य अतिथी महेंद्र पारख (आई ए एस) ने अपने अभिभाषण से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया एवं उन्हें आगे बढने के लिए प्रेरित किया। फ्रेशर्स ने उत्साह के साथ 'Moonlit' थीम पर रैम्प वॉक करके अपना परिचय दिया।मिस्टर और मिस फ्रेशर प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की गई जिसमे कैटवॉक परिचय, टेलेंट राउंड और प्रश्न उत्तर प्रतियोगिता थी। कार्यक्रम मे कॉलेज के बी कॉम, बीबीए, बी.सी.ए, बी.ए., बी.वी.ए, एम.कॉम के विद्यार्थियों ने न्यूकमर्स के स्वागत के लिये एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य व पूरे जोश के साथ कई फिल्मी गीतो सैनोरिटा, शाम शानदार, चांद छुपा बादल में आदि गानों पर प्रस्तुतियां दी।कॉलेज के प्राचार्य डा. आशीष गुप्ता ने छात्र छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित किया। अंत में प्रतियोगिता के जज वीना मोदानी एवं आर्यन मीणा ने प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए जिसमें सानिया को मिस फेशर और अक्षत शर्मा को मिस्टर फ्रेशर से नवाजा गया। I Runner up (Male) राघव सारदा, (Female) मनोज कंवर , II Runner up (Male) हिमांशु सेवानी, (Female) दीक्षिता मेवानी को खिताब दिया गया। संस्था के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी एवं शिक्षा परिषद के सदस्यों ने सभी विजेताओं को शुभकामनायें प्रेषित की।

बंगाली बाबा गणेश मंदिर में श्री महा गणपति महोत्सव का शुभारंभ आज से

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर में श्री महा गणपति महोत्सव रविवार से 19 सितम्बर तक मनाया जाएगा। इस दौरान तीन दिन तक रोजाना महामूषक ध्वज अर्पण,पंचामृत अभिषेक,सिंदूर अर्पण,सिंजारा सहित कई धार्मिक आयोजन होंगे। आयोजन की सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। बंगाली बाबा मदरि प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल व उपाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक संजय पतंगवाला ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ रविवार को सबह 10 बजे महामूषक ध्वज अर्पण के साथ होगा। इस मौके पर मंदिर की परिक्रमा लगाकर मंत्रोच्चारण के बीच महामूषक ध्वज अर्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन 18 को सुबह 9 बजे सिद्धपीठ धाम मुहाना के कमलेष जी महाराज प्रथम पूज्य का जयकारों के बीच पंचामृत अभिषेक करेंगे। इसी दिन सुबह 10 बजे सिंदूर अर्पण व सुबह 11 बजे सिंजारा पर्व मनाया जाएगा। इस मौके पर सौभाग्य देवी पूजन,चन्द्रार्चन,मेहंदी व सौभाग्य देवी अर्पण के कार्यक्रम होंगे। इस दौरान मंदिर प्रांगण में महिलाओं को महंदी लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन 19 को श्रीमहागणपति महोत्सव मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत सुबह 5 बजे प्रथम पूज्य को मोदक अर्पित किए जाएंगे। इसके बाद दोपहर 1बजे महाआरती व बैंड वादन के बाद शाम बजे भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर ख्याति प्राप्त कलाकार भजनों के माध्यम से प्रथम पूज्य को रिझाएंगे। महोत्सव के दौरान मंदिर में आने वाले भक्तों को प्रसादी वितरित की जाएगी।

धूमधाम से मनाया नंदोत्सव

सभी को आनंदित करे वह नंदः संतश्री हरिशरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

विद्याधर नगर स्थित शेखावाटी विकास परिषद में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव नंदोत्सव का उल्लास छाया।इस मौके पर खचाखच भरे पांडाल में बैठे श्रद्धालुओं ने जन्म कृष्ण कन्हैया,सबको बहुत बधाई.... यशोदा मां के हुए लाल,बधाई सब मिल गाओ..नंद के आनंद भयो,जय कन्हैया लाल ...जैसे बधाई गीतों के बीच नाच-गाकर खिलौने,मेवे व फल आदि की उछाल लूटी। इस दौरान परिषद का का चप्पा-चप्पा कान्हा के जन्म की खुशियों को मनाता नजर आया। इस अवसर पर संत श्री हरिशरण जी महाराज जी ने कहा कि नंद वही है जो सभी को आनंदित करता है और यशोदा वही है जो सबको यश देती है।ऐसे नंद और यशोदा के घर में ही आनंदघन भगवान प्रकट होते हैं इसलिए अपने हृदय को हम सभी नंद और यशोदा का स्वरूप बनाएं जिससे हमारे घाट में ही भगवान प्रेम रूप से प्रगट हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि सनातन धर्म के तीन मुख्य पहलू हैं पहला हम किसी की भी बुराई नहीं करो, दूसरा मेरा करके इस संसार में व्यक्तिगत कुछ भी नहीं है। तीसरा भगवान है,भगवान मेरे है। सृष्टि के रचयिता ने रचना के साथ ही एक कानून बनाया है कि तुम इस सृष्टि में बर्ताव करो,परंतु याद रखो जो तुम सृष्टि को दोगे, वही कई गुना होकर कालांतर में तुम्हारे प्रति स्वत होकर रहेगा,इसलिए हम जो बात संसार से अपने प्रति नहीं चाहते हैं वह संसार को न दें अर्थात हम बुराई रहित होकर रहे हैं,क्योंकि वह कई गुना होकर वापस लौट के आती है और भलाई करते रहे यही सनातन सत्य है। सनातन धर्म का मूल सूत्र है आइए हम इसे अपना कर कृतार्थ हो जाए। महाराजश्रीने कहा कि प्रभु चरित्रों का श्रवण करने से प्रभु की कृपा अवष्य प्राप्त होती है। प्रभु के चरण कमल का स्मरण करने से सारे कष्ट नष्ट हो जाते हैं जब प्रभु ने संसार में जन्म लिया,तब चारों ओर खुषियां छा गई,खुषी में लोग झूम रहे थे और कह रहे थे कि हमें पालने वाला आ गया। प्रभु की हर इच्छा व लीला को प्रसन्नता से स्वीकर करने वाला ही परम भक्त होता है। उन्होंने आगे कहा कि जब जीव ईष्वर तक पहुंचने में असमर्थ हो जाता है,तब ईष्वर ही जीव के स्तर पर उतरकर लौकिक लीलाएं करता है। यही परम ऐष्वर्यवान ईष्वर का साधारणीकरण है। जब-जब इस धरती पर दुष्टों का अत्याचार बढ़ता है,तब-तब धर्म की रक्षा के लिए अवतारी पुरुष जन्म लेते है। इस दौरान वामन अवतार प्रसंग पर महाराजश्री ने कहा कि ईष्वर विराट होते हुए भी भक्त के हित के लिए वामन अर्थात छोटे हो जाते है। वास्तव में बड़ा वही है जो विचार और कर्म से बड़ा है ऐष्वर्य और पर में नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि जीवन में कब क्या हा जाए,इसका कोई भरोसा नहीं है। सारे कार्य स्वयं के हिसाब से यह भी पता नहीं है।जो काम करने वाले होते है,वो कब करके निकल जाते हैं,पता ही नहीं चलता और जिनको काम करना नहीं होता,वो उस कार्य को ना करने के बहाने बनाते है। कथा 21 सितम्बर तक रोजाना दोपहर 2.30 बजे से शाम 7बजे तक होगी।

पर्यूषण महापर्व के पंचमदिवसः श्रीकृष्ण के उपदेशों को जीवन उतारने वाला मनुष्य संसार मे कभी भटक नही सकता है और हार भी नहीं सकता हैः महासती धर्मप्रभा

प्रभु महावीर का जन्मोकल्याण महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। संसार मे अच्छे कर्म करते रहना चाहिए व्यर्थ की बातों मे मनुष्य को सुरदुलर्भ समय को नष्ट नहीं करना चाहिए।शनिवार साहूकार पेट जैनभवन मे पर्यूषण महापर्व के पंचदिवस धर्म आराधना करने वाले सभी श्रध्दांलूओ को महासती धर्मप्रभा ने सम्बंधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की सिखाई गई बातें उस समय अर्जुन के लिए जितनी महत्वपूर्ण थी,आज भी वह उपदेश सम्पूर्ण मानव जाति के उत्थान और युवाओं के लिये श्री कृष्ण के सक्सेस का मंत्र है। मनुष्य भी श्रीकृष्ण बतायें गये धर्म के पथ पर मनुष्य चलता है तो वह अपने जीवन कितने भी संकट वो हार नहीं सकता है।श्री कृष्ण आशावादी थें,निराशा उनसे कोशो दूर थी। कृष्ण का सम्पूर्ण जीवन हमे प्रेरणा देता है की मनुष्य को स्वयं को ईश्वर में लीन कर देना चाहिए। ईश्वर के सिवाय संसार मे मनुष्य का कोई भी नहीं है।आत्मा अकेले ही संसार मे आई थी अकेले ही जाएगी। श्री कृष्ण की इन बातों और सिध्दांतों पर चलने वाला मानव इस संसार मे कभी भटक नही सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने प्रभु महावीर स्वामी के जन्मोकल्याण महोत्सव श्रध्दांलूओ से कहा कि महावीर किसी जाति सम्रदांय पथ के नहीं सम्पूर्ण मानवजाति के थे,उन्होंने सभी जीवों के उत्थान और कल्याण केलिए जीवो और जीने दो का अहिंसा का उपदेश देकर सत्य की राह दिखाई थी। एस.एस.जैन संघ साहूकारपेट के कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया ने बताया अनेक बहनों और भाईयो ने बड़ी तपस्या के प्रत्याख्यान लिए थे सभी तपस्यार्थीयों का श्री संघ के अध्यक्ष एम. अजितराज कोठारी, सज्जनराज सुराणा,सुरेशचन्द डूगरवाल,माणक चन्द खाबिया, हस्तीमल खटोड़, बादल कोठारी,जितेन्द्र भंडारी, रमेशचंद दरड़ा, महावीर कोठारी,पदमचन्द ललवाणी, शम्भूसिंह कावड़िया,अशोक सिसोदिया आदि सभी ने तपस्वीयो का स्वागत किया। इसदौरान प्रभु महावीर के जन्मो कल्याण महोत्सव पर संस्कार महिला शाखा की बहनों द्वारा नाटिका का

मंचन किया गया। पर्यूषण चौविहार भोजन प्रसादी मे हजारों श्रध्दांलूओ के साथ चेन्नई के कही उपनगरों के श्रावक श्राविकाओं ने भोजन प्रसाद प्राप्त किए।

एमडी जैन इंटर कॉलेज हरीपर्वत में 19 सितंबर से आयोजित होगा

30 वां श्रावक संस्कार शिविर

शिविर में चार हजार से अधिक शिविरार्थी होंगे सम्मलित

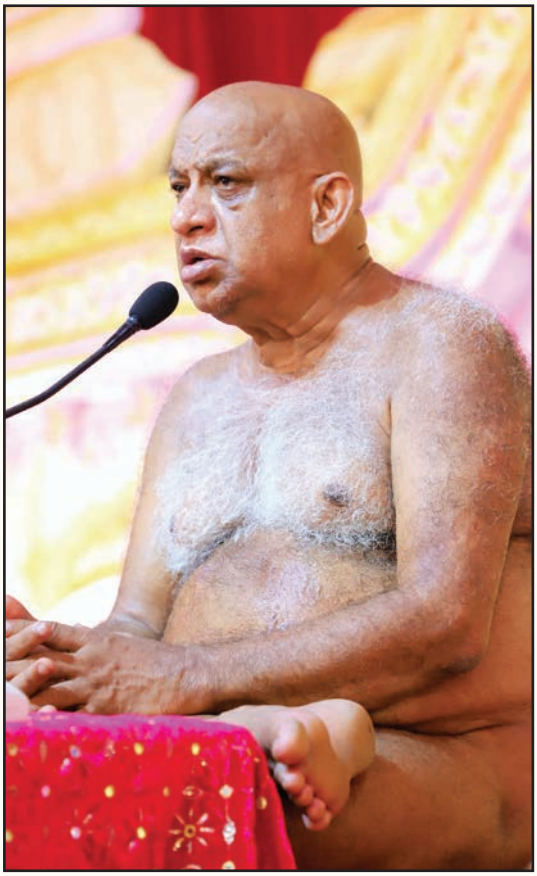

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा में पहली बार संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं उनके आज्ञानुवर्ती शिष्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज एवं क्षुल्लकश्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में आगामी 19 से 29 सितम्बर के मध्य 30 वां श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में होने जा रहा है। जैन धर्म के सबसे बड़े पर्व दशलक्षण महापर्व के अवसर पर शिविरार्थी दस दिन संयम साधना कर अपने जीवन में संस्कारों का बीजारोपण करेंगे। श्री दिगम्बर जैन प्रभावना समिति के तत्वावधान में होने जा रहे इस विशाल 30वां श्रावक संस्कार शिविर में पूरे देश से जैन श्रद्धालु भाग लेंगे। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के माध्यम से लगभग चार हजार से अधिक जैन श्रावकों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। देश के प्रत्येक राज्य मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश,राजस्थान,महाराष्ट्र,गुजरात हरियाणा बिहार आदि जगहों से जैन श्रावकों का हूजुम आगरा में उमड़ने वाला है। श्रावक संस्कार शिविर में आगरा की प्रमुख संस्था श्री दिगम्बर जैन शिक्षा समिति एवं आगरा दिगम्बर जैन परिषद के साथ पूरे जैन समाज का भरपूर सहयोग मिल रहा है। श्रावक संस्कार शिविर में 18 वर्ष की आयु से लेकर 90 साल तक के बुजूर्ग भाग ले रहे हैं। जिनको अलग अलग ग्रुप में विभाजित तक जैन श्रावक के संस्कार का पाठ मुनिश्री सुधा सागर जी महाराज द्वारा बताया जाएगा। शिविर की सभी धार्मिक क्रियाओं का आरंभ प्रात 4.30 बजे से हो जाएगा, जिसमें सर्वप्रथम ध्यान की क्रियाओं को सिखाया जाएगा। उसके बाद प्रातः काल 5.30 बजे से भगवान का जिन अभिषेक एवं शांतिधारा के उपरांत भगवान का पूजन किया जाएगा। 8.00 से मुनिश्री सुधासागर जी महाराज के मंगल प्रवचन शुरू होंगे, जो सुबह 9.30 तक चलेंगे। प्रवचन के बाद महाराजश्री की आहारचर्या और हजारों की संख्या में भाग ले रहे शिविरार्थियों का भोजन होगा। शिविरार्थियों को भोजन हेतु पूरे आगरा के जैन समाज के लोग उन शिविरार्थियों को अलग अलग अपने घर भोजन के लिए लेकर जाएंगे।दोपहर में विभिन्न धार्मिक ग्रंथों पर पाठशाला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुनिश्री सुधासागर जी महाराज के साथ क्षुल्लकश्री गंभीर सागर जी महाराज और अनेक विद्वान इन शिविरार्थियों को धर्म का ज्ञान प्रदान करेंगे। शाम के समय बहुचर्चित कार्यक्रम जिज्ञासा समाधान का आयोजन होगा। जिसमें मुनिश्री द्वारा शिविरार्थियों और भक्तों के प्रश्नों का समाधान किया जाएगा। आगरा की धरा पर ऐसा पहली बार मुनिश्री के सानिध्य में अनुपम दृश्य देखने को मिलेगा,जहां हजारों की संख्या में श्रावक उपस्थित होकर धर्म के संस्कार लेंगे। आगरा में लगने जा रहे 30वां श्रावक संस्कार शिविर अपने आप में ऐतिहासिक होगा,जिसका आयोजन कमेटी के सभी पदाधिकारियों ने 16 सितम्बर पोस्टर विमोचन किया। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी, नीरज जैन जिनवाणी,जगदीशप्रसाद जैन, राकेश जैन पदेवाले निर्मल मौठया मनोज बाकलीवाल,राजेश सेठी, यतीन्द्र जैन,हीरालाल बैनाड़ा,राकेश जैन पार्षद,डॉ जितेंद्र जैन,चक्रेश जैन, अमित जैन सेठी,अशोक जैन मीडिया प्रभारी शुभम जैन,मीडिया प्रभारी राहुल जैन, अंकेश जैन सचिन जैन, आदि लोग उपस्थित रहे

पर्यूषण महापर्व के पंचदिवस सैकड़ों श्रद्धालुओं ने तपस्या के लिए प्रत्याख्यान अहिंसा भवन में

भक्ति हमारी सच्ची है तो जीते जी हो जाएंगे हमें भगवान के दर्शनः महासती प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। भक्ति सच्ची है तो जीते जी हो जाऐंगे हम भगवानके दर्शन। शास्त्री नगर अहिंसा भवन पर्यूषण महापर्व के पंचम दिवस महासती प्रितीसुधा ने पर्यूषण मे तप आराधना करने वाले सभी श्रोताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि नरसी महाराज ने सामान्य मनुष्य का जीवन जीते हुए श्री कृष्ण की भक्ति मे डूबकर भगवान श्री कृष्ण को प्राप्त कर लिया था। हम भी भगवान के दर्शन मनुष्य शरीर में रहते हुए कर सकते हैं। शक्ति से भक्ति होती हैं, भक्ति में शक्ति होती हैं,यह बात अगर मनुष्य के समझ मे आ जाए और मनुष्य परमात्मा की भक्ति मे लीन हो जाए,तो वह जीते जी परमात्मा के दर्शन कर सकता है। ईश्वर भी उसी भक्त की सुनता है जो उसकी सच्चे मन से भक्ति करता है और उसे याद करता हैं।तो भगवान भी तुंरत उससे मिलने आ जाते है भक्ति मे स्वार्थ नहीं होना चाहिए, निस्वार्थ होगी तभी भगवान भक्त की भक्ति के वशीभूत बंधकर भक्त से मिलने आ जाऐंगे। इसदौरान साध्वी संयम सुधा ने अंतकृदशा सूत्र का वांचन करते हुए कहा कि परमात्मा छोटा बड़ा नही देखता है वह भक्त कि भावना देखते है की उसकी श्रध्दा कितनी है। **प्रवक्ताः निलिष्का जैन**

दिगम्बर जैन धर्मावलम्बी सोमवार को मनायेगें रोट तीज

जैन मंदिरों में होगा तीन चौबीसी पूजा विधान। दशलक्षण महापर्व मंगलवार से

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों का रोट तीज पर्व सोमवार 18 सितम्बर को मनाया जाएगा। इस मौके पर मंदिरों में तीन चौबीसी पूजा विधान का आयोजन होगा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार इस त्यौहार का बडा महत्व है। सोमवार को श्रद्धालुओं द्वारा रोट, घी, बूरा एवं तुरई का रायता बनाया जाएगा। भाद्रपद शुक्ला तृतीया (तीज) को 72 कोठे का मण्डल मांडकर चौबीस महाराज की तीन चौबीसी पूजा विधान करते हैं। इससे लक्ष्मी अटल रहती है। इस दिन महिलाओं द्वारा रोट तीज का व्रत भी किया जाता है। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के षोडशकारण एवं मेघमाला व्रत शनिवार 30 सितम्बर तक चलेंगे। मंगलवार 19 सितम्बर से दशलक्षण महापर्व प्रारम्भ होगें जो गुरुवार 28 सितम्बर तक चलेंगे। इस दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें ।जैन धर्म में उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव,उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम ब्रम्हचर्य सहित धर्म के 10 लक्षण होते हैं। इन दस दिनों में प्रातः से जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा, मुनिराजो की विशेष प्रवचन श्रृंखला, श्रावक संस्कार साधना शिविर, महाआरती, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। धर्मावलंबी तीन दिन, पांच दिन, आठ दिन, दस दिन, सोलह दिन, बत्तीस दिन सहित अपनी क्षमता एवं श्रद्धानुसार अलग-अलग अवधि के उपवास करते हैं। जिसमें निराहार रहकर केवल मात्र एक समय पानी लेते हैं। श्री जैन के मुताबिक रविवार, 24 सितम्बर को सुगन्ध दशमी मनाई जावेगी । गुरुवार 28 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण समापन कलश होंगे। शनीवार 30 सितम्बर को षोडशकारण समापन कलश एवं पड़वा ढोक क्षमा वाणी पर्व मनाया जावेगा ।इस मौके पर वर्ष भर की त्रुटियों एवं गलतियों के लिए आपस में क्षमा मांगेंगे, खोपरा मिश्री खिलायेंगे।

विनोद जैन 'कोटखावदा'
प्रदेश महामंत्री

सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री राम मंदिर, आदर्श नगर में सशक्त राष्ट्र-संगठित समाज का प्रखर जयघोष। रात्रि 7 बजे आयोजित सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ संत श्री अमरनाथ जी के सानिध्य मैं डॉ गोपाल शर्मा संस्थापक महानगर टाइम्स, विधायक कालीचरण सर्राफ , भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के रवि नय्यर , प्रमुख समाज सेवी व भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ आदर्श नगर विधानसभा के संयोजक प्रमोद जैन भँवर उपस्थित रहे सभी भक्तजनो ने सामूहिक रूप से पूर्ण श्रद्धा से हनुमान चालीसा का पाठ किया ।

विज्ञान मेले का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर ब्लाक के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बगरु में राजस्थान व स्कूल शिक्षा परिषद के निदेर्शानुसार संस्था प्रधान विनिता सिंह के तत्वाधान मे विद्यालय स्तर पर विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए रुचि जाग्रत करने तथा उनकी स्वाभाविक जिज्ञासा एवं रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए वरिष्ठ अध्यापक (विज्ञान)अजय कुमार वर्मा द्वारा बच्चो को मंच उपलब्ध करवाया गया। वर्मा के मार्ग दर्शन में बच्चों ने विभिन्न कैटेगरी मे मॉडल बनवाये। विधार्थियो के थीमवार मूल्यांकन हेतु निर्णायक दलो का गठन किया गया जिस में विद्यालय के विज्ञान विषय के व्याख्याता ओमप्रकाश सिंघाड़िया, स्मिता पारिक, निर्मला बंशीवाल, अनिता खरे, नीलम जैन, जया पुनिया, वरिष्ठ अध्यापक पंकज गुप्ता व हरिराम बैरवा, व अध्यापक खेमचन्द कोली, यशोदा नागर,संगीता पारीक,सुरेंद्र राव शामिल रहें। जिसमें विद्यार्थियों कि स्वयं की सृजनशीलताएं, कल्पना, तकनीकी कौशल, कर्मकौशल, व शिल्प कौशल को वरीयता दी गई।

नेट थियेट पर महफिल ए सुकून

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज दस से बारह वर्ष के नन्हें कलाकारों ने अपने स्वर और ताल से महफिल ए सुकून को परवान चढाया। नेट थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि जयपुर के संगीत घराने से ताल्लुक रखने वाले 13 नन्हे कलाकारों ने जब स्वर और ताल के साथ एक स्वर में अलबेला सजन आयो री, मोरा अति मन सुख पायो री सुनाया तो दर्शक वाह वाह कर उठे। उसके बाद इन कलाकारों ने सुप्रसिद्ध सूफी कलाम दमा दम मस्त कलंदर अलीशा पहला नंबर और अंत में छाप तिलक सब छीनी रे, मोसे नैना मिला के बड़े ही मनोयोग के साथ सुनाकर अपने कलाकार होने का परिचय दिया । इस कार्यक्रम में गायन पर कलाकार मिजान हुसैन, अरमान, जीशान, एजान, ईलेश ने जब अपने सुरों को छेड़ा तो लगा कि यह संगीत का हमारा भविष्य है । इनके साथ तबले पर मोहसिन खान, ढोलक पर फैजल, गिटार पर जीशान, खड़ताल पर अयास खान, और कीबोर्ड पर लकी और रियान खान ने असरदार संगत कर कार्यक्रम को परवान चढ़ाया ।

जैन युवा मंच जनकपुरी ने दो दिवसीय क्रिकेट लीग का किया आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन युवा मंच जनकपुरी ज्योतिनगर ने मन्दिर के सामने प्रांगण में दो दिवसीय अंडर आर्म क्रिकेट लीग का आज दोपहर शुभारंभ किया । मंच के अध्यक्ष अमित शाह व मंत्री प्रतीक जैन ने बताया की मंच का यह पहला आयोजन किया जा रहा है , जिसमे सभी आयु वर्ग के सदस्य भाग लेने हेतु उत्साहित है । दो दिन में ग्यारह टीम के अठारह मेच का आयोजन होगा जिसमे सो से अधिक खिलाड़ी सहभागिता करेंगे । सभी टीमो को उनके ग्रुप नाम की टी शर्ट दे दी गई है । मंच के सुप्रीत अजमेरा व नीरज जैन के अनुसार भगवान महावीर के समक्ष दीप प्रज्वलन कर नमोकार मन्त्र का जाप करने के बाद मुख्य कार्यकताओं व टीम लीडर्स का मन्दिर प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला व मंत्री देवेंद्र कासलीवाल सहित वरिष्ठ जनों ने स्वागत अभिनंदन किया । खिलाड़ियों का दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से होसला बढ़ाया ।

विश्व शांति महायज्ञ में सवा लाख मंत्रों की आहुतियो को किया समर्पित

वात्सल्य और प्रेम हमें सुखद जीवन ज़ीने की शिक्षा देती है: आचार्य श्री

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं आचार्य श्रीआर्जवसागर जीमहाराज ससंघ के सान्निध्य में एक सितम्बर से चल रहे श्री मद् जिनेन्द्र लोक कल्याण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आज विश्व शांति महायज्ञ का समापन विश्व शांति के लिए महायज्ञ में सवालाख मंत्रों की आहुतियो के समर्पण के साथ हो गया इस दौरान आचार्य श्रीआर्जव सागर जीमहाराज ससंघ के सान्निध्य में प्रतिष्ठा चार्य श्री पारस जी शास्त्री इन्दौर का सम्मान श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी द्वारा किया गया।

पहली बार अनेक व्यक्तियों को महापात्र वनाने का सौभाग्य मिला: विजय धुर्रा

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि पहली बार नगर में सोलह कारण भावना की आराधना स्वरूप श्रीलोक कल्याण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में प्रतिदिन अलग अलग लोगों को सौधर्म इन्द्र व चक्रवर्ती वनकर महा पूजा में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ आज सौधर्म इन्द्र सुरेश चंद्र राजीव कुमार मौसम जैन चन्देरी परिवार दर्शनोदय कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन गौरव जैन टींगू मिल परिवार सतीश राजपुर एवं श्रावक श्रेष्ठी महेश कुमार दिलीप कुमार घमंडी परिवार को मिला जिनका हम यहां कमेटी की ओर से सम्मान समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई संयोजक उमेश सिघई युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर कर रहे हैं इस दौरान युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने महोत्सव के कलशो को प्राप्त करने वाले सौभाग्य शाली पात्रों का चयन किया जिनमें विनोद कुमार अथाइखेडा एपी धर्मेन्द्र रोकड़िया निर्मल मिर्ची अशोक जैन टींगू मिल जय वीर वेली शुभम कासंल परिवार को मिला जिनका सम्मान कमेटी द्वारा किया गया।

वात्सल्य भावना हमें वात्सल्य प्रेम की शिक्षा देती है: आचार्य श्री

सम्बोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने कहा कि आज अंतिम भक्ति के वारे में सुनेंगे प्रवचन वात्सल्य भावना हमें वात्सल्य की शिक्षा देती है जैसे गाय अपने वछड़े से निश्वारत भाव से प्रेम करती है माया चार से रहित होकर उनके प्रति जो वात्सल्य प्रेम किया जाता हैं प्रवचन करने वालों के प्रति हम सद्भावना तो रखें ही विनय के साथ आदर की दृष्टि भी रखना चाहिए एक पत्नी अपने पति से कहती हैं हम राज परिवार के मित्र के साथ रहते थे आप वार वार कहते थे कि आपका मित्र राजा वन गया पत्नी कहती हैं हम इतनी गरीबी में आ गये तो एक बार आप अपने मित्र से मिल आये पत्नी के कहने पर वह राज महल पहुंचते ही द्वारपाल ने रोक दिया तव उसने कहा कि राजन मेरे मित्र हैं राजा को जव पता चलता है तो राजा ने अपने मित्र को वुलाकर सत्कार किया और अच्छी तरह भोजन आदि से परिपूर्ण कर परीक्षा कर कहा जो चाहिए मुझे राज खजाने से हीरो के आभूषण लेने को कुछ समय देकर कहा तो लोभ के कारण वह अपने समय को गंवा देता है।

लोभ में पड़कर व्यर्थ में समय ना गंवाये

आचार्य श्री ने कहा कि मित्र फिर से राजा के द्वार पहुंचा तो उसे सोने चांदी के खजाने में गया वह बहुमूल्य आभूषणो को देखकर वह वहीं रम जाता है एक आभूषण दो और उन्हीं आभूषण में ऐसा रमा की पूरा समय लोभ लालच में पड़ कर वेअर्थ में ही गंवा दिया हमें अत्याधिक लोभ नहीं करना चाहिए भाग्यहीन को ना मिले भली वस्तु का योग जिनका सौभाग्य था उन्होंने इस लोक कल्याण महा मंडल विधान का आयोजन पंचायत कमेटी ने बहुत सुंदर व्यवस्था वनाई जिसका भाग्य रहता है उसको सब कुछ मिल जाता है ये कथा कृष्ण सुदामा की है। सुदामा अपने मित्र श्री कृष्ण से छुपाकर माता द्वारा दिया गया भोजन कर लेते थे।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में सोलह कारण भावनाओं पर प्रवचन का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुगार्पुरा जयपुर में दिनांक 31.08.2023 से रात्रि 7.45 बजे से षोड़स कारण महापर्व में सोलह कारण भावनाओं की एक एक भावना पर तत्व चर्चा श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के पंडित राहुल शास्त्री के द्वारा की गई। आज अंतिम दिन शुक्रवार दिनांक 15.09.2023 को मार्ग प्रभावना व प्रवचन वात्सल्य भावना पर तत्व चर्चा की गई। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी ट्रस्ट दुगार्पुरा जयपुर के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं राजेंद्र कुमार जैन काला मंत्री ने बताया कि पंडित राहुल जैन शास्त्री एवं श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर का आभार व्यक्त करते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष विमल कुमार जैन गंगवाल व जय कुमार जैन द्वारा पंडित राहुल शास्त्री का सम्मान किया गया।

इंजीनियर दिवस पर भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया की जयंती मनाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर सोसायटी जयपुर चेप्टर नार्थे ने भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया जी की जन्म तिथि पर चारो दिनांक 15 सितंबर 2023 को दिगम्बर जैन श्रवण संस्कृति संस्थान सांगानेर में इंजीनियर दिवस को आयोजन किया । ग्रुप के सदस्यों ने सर्व प्रथम बालक व बालिकाओं के छात्रावास का व कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा छात्र व छात्राओं को भोजन करवाया। संस्थान के कार्याध्यक्ष प्रमोद जैन पाहाडिया, संयुक्त मंत्री दर्शन जी जैन व कार्यकारिणी सदस्य ज्ञान चन्द्र झांझरी तथा संस्थान प्राचार्य अरुण जैन व उपाचार्य किरण प्रकाश जैन ने संस्थान के बारे मैं उपस्थित इंजीनियर को अवगत करवाया व स्वागत किया। जयपुर चैपटर नार्थ के सचिवे इंजीनियर पवन पाटनी ने अवगत करवाया कि भोजन के पश्चात ''जैन शास्त्रों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें जैन इंजीनियर सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष इजीनियर अखिलेश जैन ,अध्यक्ष इंजीनियर राजेश जैन, पूर्व अध्यक्ष इंजीनियर अनिल जी शाह व कोषाध्यक्ष इनजीनियर अजित जी जैन विषय पर तथा अभियंता दिवस के बारे मे अवगत करवाया तथा संस्थान के डा. पंडित श्री किरण जी जैन व उपस्थित इंजीनियर अखिलेश जैन ने व इंजीनियर डीके जैन ने बहुत ही सरलता से जैन शास्त्रो की वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर वे सभी कि शंकाओं का समाधान किया। साथ ही अन्य उपस्थित वक्ताओं ने भी विषय पर अपने विचार रखे। अंत मे जेइस जयपुर चैपटर के उपस्थित सदस्यों ने संसथान को कई महत्वपूर्ण सझाव दिये तथा जैन श्रमण संस्कृति संसथान कार्यप्रणालियों की व कार्यकारिणी की सरहना की व भविष्य में आपसी सहयोग की कामना की ।

जयपुर में सूर्यकिरण टीम ने दिखाए करतब

फीमेल पायलट ने भी भरी उड़ान

बारिश का मौसम होने के बावजूद एयर शो को देखने के लिए आमेर रोड पर शहरवासियों की भीड़ लगी रही। करीब एक घंटे तक सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम ने एयर शो किया। इसमें फीमेल पायलट भी शामिल रहीं। सभी विमानों ने जयपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरी।

जयपुर. शाबाश इंडिया

सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम की ओर से शनिवार को जयपुर में जलमहल की पाल पर एयर शो हुआ। शुक्रवार की तरह ही वायुसेना के जवानों ने 9 हॉक विमानों के जरिए हैरतअंगेज करतब दिखाए। इस दौरान बारिश का मौसम होने के बावजूद एयर शो को देखने के लिए आमेर रोड पर शहरवासियों की भीड़ लगी रही। करीब एक घंटे तक सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम ने एयर शो किया। इसमें फीमेल पायलट भी शामिल रहीं। सभी विमानों ने जयपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरी। मौसम के कारण पहले एयर शो के लिए असमंजस की स्थिति बनी रही। जैसे ही मौसम साफ हुआ। वैसे ही शो शुरू किया गया। शो को देखने के लिए काफी संख्या में स्कूली बच्चे भी शामिल हुए। दरअसल, आमेर रोड स्थित जलमहल पर वायुसेना स्टेशन में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। अब रविवार को इसका फाइनल एयर शो किया जाएगा। एयर शो युवा पीढ़ी 'भारतीय वायुसेना के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित किया गया है। इसके लिए जयपुर शहर और आसपास के इलाकों से आमजन और स्टूडेंट्स को आमंत्रित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग एयर शो देखने पहुंचे। वहीं रविवार को होने वाले फाइनल एयर शो में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों के आने का भी कार्यक्रम है।